Subject कक्षा VIII हिन्दी Date

पाठ 1 नारी! तुम केवल श्रद्धा हो (जयशंकर प्रसाद)

मौखिक (सभी प्रश्नों को लिखो और याद करो)

(1) नारी का वर्णन करते समय कवि किस प्रकार उसके अभिनंदन की बात करता है?

उत्तर → नारी के अभिनंदन में कवि फूलों की कोमल पखुड़ियाँ बिखरने की बात करते हैं।

(2) इस कविता के कवि का नाम बताइए।

~~उत्तर~~ इस कविता के कवि श्री जयशंकर प्रसाद जी हैं।

(3) कवि के अनुसार नारी क्या संकल्प कर चुकी है?

कवि के अनुसार नारी अपने जीवन के सोने से सपनों का दान करने का संकल्प कर चुकी है।

लघूत्तरीय प्रश्न

(1) कवि को नारी के व्यवहार में सदैव क्या दिखाता है?

उत्तर - कवि को नारी के व्यवहार में सदैव त्याग और समर्पण दिखता है।

(2) कवि के अनुसार युद्ध में हमेशा किसकी जीत होती रही?

कवि के अनुसार युद्ध में हमेशा देवताओं की विजय होती रही।

(3) नारी अपने सोने-से सपनों के साथ क्या कर चुकी है?

उत्तर → नारी अपने सोने ~~के~~ से सपनों को पहले ही दान कर चुकी है।

दीर्घोत्तरीय प्रश्न

(1) मकरंद मिलाती हो . . . . चंदन में।

Scanned with CamScanner